पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

लोकमान्य तिलक का अमर अजर उद्घोष भारत की स्वतंत्रता की सिंहगर्जना थी - राज्यपाल
लोकमान्य तिलक के उद्घोष के अर्थ को समझना होगा - योगी आदित्यनाथ
लोकमान्य तिलक के नारे से जनसामान्य में ऊर्जा और जागृति आई - श्री फडणवीस

लखनऊः 30 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक की अध्यक्षता में आज लोक भवन में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के अमर उद्घोष 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्व अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा' के एक सौ एक वर्ष पूर्ण होने पर स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायन दीक्षित, उप मुख्यमंत्री द्वय श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं डॉ0 दिनेश शर्मा, मंत्री प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी राज्यमंत्री श्रीमती अनुपमा जायसवाल, श्री नीलकंठ तिवारी, श्री संदीप सिंह, पुणे की महापौर, मुक्ता तिलक, लोकमान्य तिलक के प्रपौत्र श्री शैलेश तिलक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उनके परिजन, शहीदों के परिजन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित थें। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र सरकार के बीच 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की दृष्टि से सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। कार्यक्रम में स्मारिका 'लोकमान्य' एवं प्रो0 अरूण तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक 'ए मार्डन इण्टर प्रटेशन आफ लोकमान्य तिलकस् गीता रहस्य' का लोकार्पण भी किया गया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दिसम्बर 1916 में लखनऊ में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में लोकमान्य तिलक का अमर अजर उद्घोष भारत की स्वतंत्रता की सिंहगर्जना थी। 1857 के स्वतंत्रता समर में उत्तर प्रदेश की अग्रण्ी भूमिका रही है। लोकमान्य तिलक ने सामाजिक एवं संस्कृतिक रूप से देशवासियों को एक सूत्र में बांधने तथा जनजागृति निर्माण करने के लिए उन्होनंे महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेश उत्सव और शिवाजी जयंती का शुभारम्भ किया। मण्डाला के जेल में रहते हुए उन्होंने गीता रहस्य जैसा अद्भुत ग्रन्थ लिखा लोकमान्य के लेखों से लोगों को स्वाधीनता अन्दोलन की प्रेरणा मिलती थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेज लोकमान्य तिलक को 'असंतोष का जनक' कहते थे।

श्री नाईक ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर पर आदान-प्रदान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का रिश्ता बहुत पुराना है। भगवान राम का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ था पर वनवास के समय पर वे नासिक के पंचवटी में रहे थे। शिवाजी को महाराष्ट्र में कुछ सरदार छत्रपति राजा मानने के लिए तैयार नहीं थे। काशी से आमंत्रित पण्डित गागा भट्ट ने शिवाजी का राज्याभिषेक कराया तो उन्हें छत्रपति की मान्यता मिली। संगीत के क्षेत्र में महाराष्ट्र के पंडित विष्णुनारायण भातखण्डे ने लखनऊ को अपनी साधना स्थली बनायी तथा देश का एक मात्र भातखण्डे संगीत संस्थान की स्थापना की उन्होंने कहा की मुुंबई देश की आर्थिक राजधानी उत्तर प्रदेश के लोगों के परिश्रम से बनी है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः पचास हजार, पच्चीस हजार तथा पन्द्रह हजार का नगद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम से प्रतिभाएं सामने आती हैं।

लोकमान्य तिलक का व्यक्तिव युवा पीढ़ी के लिए प्रकाश स्तम्भ जैसा है। उन्होंने ने कहा की देश की महान विभूतियों को गहराई से जानने व समझने की अवश्यकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल को आयोजन के लिए 'प्रेरक' बताया। उन्होंने कहा कि जो कौम अपना इतिहास नहीं सजो सकती, वह अपना भूगोल भी सुरक्षित नहीं रख सकती। आज का कार्यक्रम वर्तमान को प्रकाश दिखाने वाला समारोह है। लोकमान्य तिलक के उद्घोष के अर्थ को समझना होगा। महापुरूषों ने जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करके संघर्ष के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है संविधान के प्रति आदर व सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को साकार करने की

जरूरत है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के दायरे में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सकारात्मकता को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमान्य तिलक के उद्घोष में देश की आजादी का मतलब दिखता है। मण्डाला के जेल में रहते हुए लोकमान्य तिलक ने गीता रहस्य लिखकर युवाओं को प्रेरित करने का काम किया है। गीता सबका मार्गदर्शन कर सकती है और सबको प्रेरणा भी देती है। मुख्यमंत्री ने मेरठ की मुस्लिम छात्रा आलिया के गीता पाठ की सराहना करते हुए कहा कि 'धर्म और मजहब के नाम पर बांटने वालों की आंख खोलने वाला है बच्ची का प्रदर्शन।' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' मनायेगी तथा उसके माध्यम से 'समर्थ और समृद्ध उत्तर प्रदेश' बनाने का संकल्प पूरा करेगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि लोकमान्य तिलक देश की स्वतंत्रता में योगदान देने वाले अग्रणी व्यक्ति थे। उनके नारे ने लाखों क्रांतिकारियों को प्रेरित किया और देश की स्वाधीनता की दिशा तय की। लोकमान्य तिलक के नारे से जनसामान्य में ऊर्जा और जागृति आई। लखनऊ के 1916 के अधिवेशन ने स्वतंत्रता को नया आयाम दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास से सीख न लेने वाले लोग और उनकी संस्कृति समाप्त हो जाती है।

श्री फडणवीस ने कहा कि भारत संक्रमण की अवस्था में है। 2025 तक भारत की औसत आयु 22 वर्ष होगी जो अपेक्षाकृत अन्य देशों से अधिक युवा होगी। भारत विश्व को संसार को ज्ञान और संस्कार देने वाला देश है और निकट भविष्य में विश्व की आवश्यकता को पूरा करने वाला देश बनेगा। युवा पीढ़ी को शिक्षित और स्वावलम्बी बनाने के साथ-साथ उनमें राष्ट्रीयता का बीजारोपण जरूरी है। देश को आजादी मुफ्त में नहीं मिली है, अनेकों शहीदों ने अपने प्राण की आहुति दी है। मुख्यमंत्री ने एमओयू को एक भारत श्रेष्ठ भारत की कड़ी बताते हुए कहा कि सांस्कृतिक मेलजोल से दोनों राज्य मिलकर देश को समृद्ध बनायेगें।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने भी अपने विचार रखें तथा अपर मुख्य सचिव श्री संजय अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विषय प्रवर्तन पर प्रकाश डाला एवं प्रमुख सचिव सूचना श्री अवनीश अवस्थी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्मृति समारोह में भाग लेने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/उनके उत्तराधिकारियों को विशेष रूप से अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विशेष रूप से मंगल पाण्डे के उत्तराधिकारी श्री रघुनाथ पाण्डे, तात्या टोपे के उत्तरराधिकारी श्री विनायक राव टोपे, बहादुर शाह जफर के उत्तराधिकारी श्री नवाब शाह मो0 शोयब खान, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के उत्तराधिकारी श्री शैलेष तिलक, स्वातंत्रयवीर सावरकर के उत्तराधिकारी श्री सात्याकी, भगत सिंह के उत्तराधिकारी श्री जगमोहन सिंह, अशफाक उल्ला खान के उत्तराधिकारी श्री अशफाक उल्ला खान, चन्द्रशेखर आजाद के उत्तराधिकारी श्री महेन्द्र तिवारी, ठाकुर रोशन सिंह के उत्तराधिकारी सुश्री सरिता सिंह, रामकृष्ण खत्री के उत्तराधिकारी श्री उदय खत्री, शचीन्द्र नाथ बख्शी के उत्तराधिकारी श्री राजेन्द्र नाथ बख्शी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के उत्तराधिकारी श्रीमती मधु शर्मा, उधम सिंह के उत्तराधिकारी सरदार श्री ज्ञान सिंह, महावीर सिंह के उत्तराधिकारी श्री असीम राठोड़, राजगुरू के उत्तराधिकारी श्री सत्यशील राजगुरू, चापेकर बधंु के उत्तराधिकारी श्री चेतन चापेकर, विष्णु पिंगले के उत्तराधिकारी श्री रवीन्द्र पिंगले, एस0आर0 राणा के उत्तराधिकारी श्री सर्वदमन सिंह राणा, ठाकुर दुर्गा सिंह के उत्तराधिकारी श्री विजेन्द्र सिसोदिया, राघव के उत्तराधिकारी श्री डी0पी0 राघव तथा सरयू शरण के उत्तराधिकारी डॉ0 राकेश रंजन को सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार समारोह में उत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री मोतीलाल, श्री वीरेन्द्र प्रसाद वाजपेई, श्री दाऊ जी गुप्ता, श्री बैजनाथ, श्री मो0 शाबिर, श्री बच्चन शुक्ला, श्री महादेव प्रसाद, श्री भगवती सिंह विशारद, श्री शिव नारायण लाल शर्मा, श्री हनुमान प्रसाद अवस्थी तथा श्री पूरन सिंह को सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस तथा पुणे की महापौर श्रीमती मुक्ता तिलक का राजभवन में स्वागत किया। महापौर श्रीमती मुक्ता तिलक ने राज्यपाल को एक पुस्तक भी भेंट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (490/49)

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के
योगी आदित्यनाथ
राम नाईक